(सर्वाधिकार सुरक्षित)

श्री सहजानन्द शास्त्रमाला

भावपाहुड प्रवचन

प्रवक्ता:—
अध्यात्मयोगी न्यायतीर्थ, सिद्धान्तन्यायसाहित्यशास्त्री
पूज्य श्री गुरुवर्य्य मनोहर जी वर्णी,
"श्रीमत्सहजानन्द महाराज"

सम्पादक—
सुमेरचंद जैन
१५, प्रेमपुरी, मुजफ्फरनगर

प्रकाशक.—
खेमचन्द जैन सर्राफ,
मंत्री, श्री सहजानन्द शास्त्रमाला
१८५ ए, रणजीतपुरी, सदर मेरठ (उत्तर प्रदेश)

प्रथम संस्करण १०००
सन् १९७७

लागत बिना जिल्द ८) रु०
जिल्दका पृथक् १।) रु०